सही बातें दिशा

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
दिशा

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
दिशा

आपके द्वारा किये हुये कार्य
और भविष्य में
किये जाने वाले कार्यों की सूचना
आप स्वयं देंगे
तो लोग आप पर हसेंगे,
अगर कोई अन्य व्यक्ति
आपकी सूचना या प्रचार करेंगे;
तो लोग आप से जुड़ेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

किसी भी विसंवाद को
प्रारंभ अवस्था में ही
समाप्त करने का प्रयास करें,
अन्यथा
बहुत दिनों तक चलने वाला विसंवाद
एक दिन
विशाल युद्ध का रूप ले लेता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

आप हमेशा
अपने आपको
सत्य घोषित करने का प्रयास
कभी न करें,
आप भले ही सही हों;
परन्तु
गलती आप से भी हो सकती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अपने आपको
स्वयं के नज़रिये के साथ–साथ,
दूसरों के नज़रिये से भी
देखना चाहिये,
क्योंकि
आपका चेहरा कैसा ही हो;
पर
वह अपनी आँखों से नहीं दिखता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

पर की निंदा में
जिह्वा हिलाना सरल है,
परन्तु
वैसे काम
स्वयं न करना
अत्यंत कठिन है;
इसलिये
सिर्फ जिह्वा न हिलायें
कुछ करके भी दिखायें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

क्रोध मत करो
खुद को सुधारो,
ऐसे वचन बोलना सरल है
परन्तु
निमित्तों के उपस्थित होने पर
स्वयं को संबोधन देना
कठिन है;
इसलिये
जो शिक्षा आप दूसरों को देते हैं;
उसे स्वयं भी
ग्रहण करने का पुरुषार्थ करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

मेरे मित्र !
तुम सपने तो देखो
मगर
खुली आँखों से मत देखना,
क्योंकि
खुली आँखों से देखे गये सपने
वर्तमान और भविष्य
दोनों को बिगाड़ देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

सीख
उन्हें ही देना चाहिये
जिसको सीख
अच्छी लगे,
खराब व्यक्ति को सीख देने पर
आपकी हालत खराब हो सकती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

समझदारी की बातें
हर किसी को
समझ में नहीं आती,
इसलिये
समझदारी की बातें
उन्हीं के सामने कहें
जो समझदार हों...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

आप अपने
साथ के लोगों को
अपने कार्य की चेतावनी
पूर्व से अवश्य दें,
वह चेतावनी
सोच–समझकर तो दें
साथ ही संभलकर भी दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

परिश्रम से प्राप्त वस्तु
अपार खुशी देती है,
इसलिये
परिश्रम को
अपने जीवन का
अभिन्न अंग बनाना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सम्मान
ऐसी वस्तु है
जो माँगी नहीं जाती,
जो योग्य होते हैं
सम्मान उनके पास
स्वयं चला आता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

सिर किसी भी
दिशा में हो
पर आपका दिल
सही दिशा में होना चाहिये,
अगर दिल
गलत दिशा में चला गया
तो आपकी दशा बिगड़ जायेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

विषमताओं के आने पर
रोना नहीं
अपितु
उसे तो खुशी-खुशी स्वीकारना,
क्योंकि
विषमता
सहनशक्ति बढ़ाने का
सुंदर अवसर है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

यदि आप
जीवन भर
सफल रहना चाहते हों,
तो सफलता मिलने पर
संतुष्ट न हों,
एक सफलता मिलते ही
अगली सफलता की ओर बढ़ना
बुद्धिमानों का काम है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जब आपके
शरीर में मच्छर बैठे
तो ज़्यादा विकल्प न करें,
लेकिन
कोई बुरी बात
मच्छर की तरह
आपके दिमाग में बैठना चाहे;
तो उसे
शीघ्र ही उड़ा दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

गलत को गलत
और
सही को सही ही स्वीकारें,
गलत को सही
और
सही को गलत स्वीकारने वाले
कभी सही नहीं होते ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो आपसे
उम्र में छोटा हो
वह दिमाग में भी आपसे छोटा हो
यह जरूरी नहीं,
हो सकता है
उसका दिमाग वह कर जाये
जो आपने कभी
सोचा भी न हो ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

विषमतायें हमसे
वो सब काम करवा देती हैं,
जिन्हें
न तो हमने कभी किया था
न ही सोचा था ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

अगर कोई
आपके बारे में बुरा-बोले,
तो बुरा मत मानिये,
क्योंकि
ये सोच उसका है
आपका नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जीवन की
छोटी-छोटी सफलताओं में
छोटी-छोटी गलतियों में
अवश्य ध्यान दें,
क्योंकि
न जाने कब वे बड़ी हो जायें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दुनिया की प्रत्येक स्त्री
अग्नि की तरह होती है,
उसे फूँकते रहोगे तो
तो वह बढ़ती जायेगी,
अगर उस पर
ध्यान नहीं दोगे तो;
तो वह शांत हो जायेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

अभिनेता दौड़ते हैं
नोट की ओर,
नेता दौड़ते हैं
वोट की ओर,
जो लोग
अभी नेता नहीं हैं
वे दौड़ते हैं
खोट की ओर...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

सफलता के लिये
समर्पण
और
दृढ़ इच्छाशक्ति
बहुत आवश्यक है,
इनके बिना
सफलता कोसों दूर समझो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

गोली से ज़्यादा पीड़ा
गाली से होती है,
गोली तो
एक बार में मार देती है
पर गाली
पल-पल में मारती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

दिशा

शत्रु अथवा विरोधी के द्वारा
कहे हुये व्यंग को सुनकर
उस पर क्रोध करना
अथवा उसका जवाब देना
मूर्खता है,
अतः
उसे हसकर टालना ही श्रेष्ठ है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

हमें
स्वयं के सुधार की आवश्यकता है,
दूसरों के नहीं;
क्योंकि
दूसरों के सुधार में
स्वयं का बिगाड़ निश्चित है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

समझदार लोग
धन और संपत्ति को भी
सही ढंग से कमाते हैं;
क्योंकि
पाप से कमाया हुआ
धन और संपत्ति
पुण्य का नाश कर देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

किसी भी किताब को पढ़ते वक्त
उसमें छूटी हुई
लकीरों को न देखकर
लिखे हुये शब्दों से
अपने जीवन को जोड़ना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

काम तो
सभी करते हैं,
मगर प्रस्तुति
हर कोई नहीं कर पाता,
काम में
विशेषता के लिये
काम के साथ-साथ
प्रस्तुति में भी ध्यान दें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जिस दिन आप ठान लेंगे
और
दिल से काम करेंगे
उस दिन आप
बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं,
चाहे धनी बनना हो
या फिर ज्ञानी;
अपने विकास के जिम्मेदार
आप स्वयं ही हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो लोग अपनी प्रतिभाओं की
उपेक्षा कर देते हैं,
सुख और सफलता भी
उन लोगों से मुख मोड़ लेते हैं;
क्योंकि
जो उनसे बनता है
वो उसे करते नहीं हैं
और
जो करते हैं
वो उनसे बनता नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

बच्चों को
निर्माणाधीन इमारत की तरह समझें,
उन्हें
नैतिकता
और
चारित्र संबंधी
प्रसंग-कथायें सुनाते रहें,
जिससे उनके जीवन का
सुंदर से सुंदर
निर्माण हो सके...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब भी आप पर
संकट के बादल मंड़राये,
तब आप
अपने इष्ट को याद करें,
संकट के बादल
वैसे ही गायब हो जायेंगे,
जैसे सूर्य के प्रकाश से अंधेरी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

बड़ों की बातें
हमें गौर से सुनना चाहिये,
न जाने
उनकी कौन सी बात
आपके घर कर जाये
और
जीवन की धारा बदल जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

आपके अंदर
एक ऐसी अद्भुत शक्ति है
जिसे आप नहीं जानते हैं,
लेकिन
जिस दिन
आप उसे जान लेंगे
दुनिया आपको जानने लगेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

भाग्यवश
न तो सफलता मिलती है
न ही संकट टलते हैं,
इसलिये
भाग्य के साथ-साथ
पुरुषार्थ और सामर्थ्य को भी
प्रधानता देनी चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जब मूर्ख लोग
अनुचित कार्य करें,
तो लोग हसते हैं
और
वे ही कार्य
यदि समझदार लोग करते हैं,
तो लोग रोते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

अकसर
दोस्त उसी के ज़्यादा होते हैं
जिसका दिल बड़ा होता है
और
दुश्मन उसी के ज़्यादा होते हैं,
जिसकी बुद्धि तेज़ होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

आपका कल
आपके भाग्य के साथ-साथ
आपके व्यवहार पर भी निर्भर करता है,
इसलिये
भाग्य तो बनायें
पर
व्यवहार न बिगाड़ें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

मैं सोचता हूँ
हमें किताबों से ज़्यादा
इंसान को पढ़ना चाहिये,
जिसने
इंसान को पढ़ना सीख लिया
वह कभी भी
धोखा नहीं खा सकता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अकसर
शब्दों के जाल में
लोगों का जीवन उलझ जाता है,
लेकिन
जो शब्दों का भाव समझ लेते हैं
उनका जीवन सुलझ जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जैसा आप
अपने लिये चाहते हैं,
वैसा ही
दूसरों के लिये भी चाहें,
क्योंकि
दुःख
किसी को भी पसंद नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिनको
बीते हुये कल का दुःख नहीं,
आनेवाले कल की चिंता नहीं,
उसी का भविष्य
सुंदर और सही...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

लोहे को
चुंबक से खींचा जाता है,
विद्या को
विनय से पाया जाता है
और
दिल को
व्यवहार से जीता जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्रशंसा
प्रशंसनीय की ही होती है,
लेकिन
जो प्रशंसा करता है
वह एक दिन
स्वयं प्रशंसनीय हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब आप
स्वयं जिम्मेदार हो जायें
तभी आप
जिम्मेदारी की सीख दें,
क्योंकि
बोलना सरल है
उसे करना कठिन है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

विश्वास बनाने के लिये
वादा निभाइये,
बड़ा बनने के लिये
सहना सीखिये,
कुछ बनने के लिये
करना सीखिये
और
अपना बनाने के लिये
मीठा बोलिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

अगर आप
अपनों की
छोटी-छोटी बातों का बुरा मानोगे,
तो एक दिन
आपके अपने भी
पराये हो जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

रिश्तों की डोर
बड़ी नाजुक है दोस्तो !
इसे सम्भाल कर रखिये,
न जाने
कब कौन रूठ जाये
और
डोर टूट जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

लड़ाई उनसे करें
जिनसे आप
जीतना चाहते हों,
न कि उनसे
जिनके साथ आप
जीना चाहते हों...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो लोग
जुबान को नहीं संभाल पाते,
अकसर
उनका हुलिया
बिगड़ जाता है;
इसलिये
जनाब
जुबान को संभालिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

आगे बढ़ने के लिये
दूसरों की लाईन न मिटाकर
अपनी लाईन बढ़ाना सीखिये,
ध्यान रखें –
मिटाने वाले मिट जाते हैं
और
बढ़ाने वाले बढ़ते जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर बुद्धि है
तो कठिन से कठिन कार्य को
पूर्ण करने की शक्ति
हमारे अंदर है,
बुद्धि के अभाव में
कुछ लोगों को तो
रोटी भी खाते नहीं बनती...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

आप अपने जीवन को
इतना रोशन रखिये कि
उसकी रोशनी से
दूसरों का जीवन भी
रोशन हो सके
और
आपका जीवन
सूरज या चाँद का
मोहताज़ न रहे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

खुश रहें
यही जीवन का सार है,
ध्यान रखें-
खुश लोगों के कदम
दुनिया चूमती है
दुःखी लोग तो
दुनिया के कदम चूमते मिलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

बड़ी बातें करना
बड़ी बात नहीं,
अच्छी बातें करना भी
बड़ी बात नहीं;
बड़े काम करना
बड़ी बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो लोग
जवानी में मेहनत नहीं करते
उन्हें बुढ़ापे में
मेहनत करना पड़ती है,
इसलिये
क्यों न पहले
मेहनत की जाये
बाद में आराम ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

अगर आप गुरूर में हैं
तो आप बड़े होकर भी छोटे हैं,
अगर आप नम्र हैं
तो आप
छोटे होकर भी बड़े हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

हमारा भाग्य
पुरुषार्थ पर ही निर्भर करता है,
पूर्व का पुरुषार्थ
वर्तमान का भाग्य है
और
वर्तमान का पुरुषार्थ
भविष्य का भाग्य है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो लोग
दुनिया को बदलना चाहते हैं
उन्हें ही
दुनिया से शिकायतें रहती हैं,
अपने को बदलना सीखिये
शिकायतें भी बंद हो जायेंगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

पैसे को
कुएँ में डाल देना,
परन्तु
पापी के लिये मत देना,
क्योंकि
उन पैसों से पाप वो करेगा
और
उसका हिस्सा
आपको चुकाना पड़ेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्रशंसा और निंदा
दोनों ही परीक्षा के समय हैं,
यदि प्रशंसा में फूले
तो हरोगे
और
निंदा में कूले
तो भी हारोगे ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो जो बनता इंसान
वो ही बनता भगवान,
जो नहीं बनता इंसान
वो ही बनता हैवान...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

कदमों से गिरा
तो उठ जाता है,
पर
नज़रों से गिरा
कभी नहीं उठ पाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

विद्या
और
धन का उपयोग
आवश्यकता पड़ने पर ही करें,
वरना
उनकी कीमत
समाप्त हो जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्यार और लड़ाई का
अज़ब ही नाता है,
लड़ाई से
प्यार खत्म होता है
और
प्यार से लड़ाई...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जीवन में
कष्टों का आना-जाना तो
लगा ही रहता है,
लेकिन
जिनका साहस बड़ा होता है
उन्हें कष्टों का
अनुभव ही नहीं होता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

भगवान को
दोष न दें,
न ही दोष दें
अपने भाग्य को;
अगर
दोष देना ही है
तो दें
अपनी करतूती को ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जब
दुनिया आपके लिये
दरवाजे बंद कर दे,
तब
घबराइये नहीं
मुस्कुराइये;
क्योंकि अब वक्त
कुछ कर दिखाने का है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो
आज मेहनत करता है
कल
उससे मेहनत नहीं कराता है,
बल्कि
उसकी मेहमानी करता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

बुराई
और
अच्छाई की लड़ाई में,
बुराइयाँ
कभी नहीं जीतती
और
अच्छाइयाँ
कभी नहीं हारती ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिन्हें भी
जीतने की आदत डालना हो
उन्हें
सीखना नहीं छोड़ना चाहिये,
ध्यान रखें-
जो पल-पल सीखते हैं
वे ही हर पल जीतते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

मीठा बोलने से
पराये भी अपने हो जाते हैं
और
कड़वा बोलने से
अपने भी पराये हो जाते हैं,
इसलिये
मीठा बोलना सीखिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जिनके पास
बोलने की कला है,
लोग उनकी
बोलियाँ लगाते हैं,
जिनके पास
यह कला नहीं है,
लोग उनकी
बोलती बंद कर देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

भीड़ में
वे ही चलते हैं
जिनके पीछे
भीड़ नहीं चलती,
क्योंकि
जिन्हें हटकर दिखना हो
वे हटकर ही चलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

तकदीर
नफरत से नहीं बदलती दोस्तो !
तकदीर बदलती है,
तरकीब
और
ताकत से...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

छुट्टी के दिन
आराम के लिये होते हैं,
लेकिन
जिन्हें
कुछ करके दिखाना है
वे छुट्टियों में भी
काम करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो
माँगने पर भी न मिले
उसका नाम है
मदद,
जो
बिन माँगे मिल जाती है
वह सलाह है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो लोग
रिश्ते बनाकर भूल जाते हैं,
उनके रिश्ते
बिन पानी के पौधों की तरह
सूख जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

न तो
ताँक-झाँक करें
न ही नोक-झोंक करें
ये काम उन लोगों के हैं;
जिनके पास
सोच नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दूसरों का
काम बिगाड़ने में
जिनको मज़ा आता है,
उनका काम बनने पर
किसी को भी
मज़ा नहीं आता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जिन्हें
कुछ करके दिखाना है
वे दुनिया को नहीं देखते
जो देखते हैं दुनिया को,
वे कुछ
कर नहीं पाते...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अब
जब भी कष्ट आते हैं
तो मैं खुद से
यही कहता हूँ-
उतरे हो मैदान में
अब जमकर खेलना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

काम ऐसा करो कि
लोग आपसे रिश्ते निकालें,
न कि ऐसा कि
लोग आपसे बने रिश्ते तोड़ें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर आप
किसी की मदद
उसके माँगने पर करते हैं,
तो अच्छी बात है
और
बिना माँगे करते हैं
तो बहुत अच्छी बात है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

जो लोग
दूसरे के सुधार में लगे रहते हैं,
अगर
वे लोग
अपने सुधार में ध्यान दें,
तो यह
उनके लिये भी अच्छा होगा
और
दूसरों के लिये भी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

कुछ लोग
दूसरों के दोष देखने में
अपने जीवन को
नष्ट कर देते हैं,
अगर वे लोग
अपने दोषों को
दूर करने में लग जाये;
तो उनसे महान
इस दुनिया में
कोई और न होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

संगति जैसी होती है
हम भी
वैसे ही होते जाते हैं,
वैसा ही करते हैं
वैसा ही बोलते हैं;
ठीक ही है
लंगड़ें के साथ चलनेवाला भी
कुछ दिनों में
लंगड़ाकर चलता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

बड़े बड़े कष्टों को,
दुःखों को
हमें मुस्कुराकर टालना चाहिये,
क्योंकि
ऐसा नहीं करने पर
वे दुःख
हमारे ऊपर हावी हो जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
दिशा

मित्र,
नारी
और
धैर्य की परीक्षा
आपदा काल में ही होती है;
क्योंकि
सुख के समय में तो
सभी आपके साथ रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर